कुल पृष्ठ संख्या 24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 1880790

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

...भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय हिन्दी

परीक्षा का दिन मंगलवार

दिनांक 12/03/2024

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।
(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	4
2	6	20	4
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	4	30	
13	4	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	6		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 4 7 1 4 1

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 175/2023

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में ''समाप्त'' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटे।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा ''अनुचित साधनों के प्रयोग'' के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य, उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटे।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड - अ)

12

(1) →

प्रश्न	उत्तर
(i)	(ब)
(ii)	(अ)
(iii)	(ब)
(iv)	(द)
(v)	(अ)
(vi)	(अ)
(vii)	(अ)
(viii)	(अ)
(ix)	~~(ब)~~ (स)
(x)	(ब)
(xi)	(स)
(xii)	(ब)

6 (2) (i) → भाववाचक संज्ञा ।

(ii) → विशेषण ।

(iii) → अकर्मक ।

(iv) → ~~पीछे / अन्त~~ → अविकारी (किंतु, परंतु, तथा आदि)

(v) → ~~तीन~~ । पीछे / अन्त ।

(vi) → तीन ।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6

(3.) (i)→ प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक 'राष्ट्रीय एकता'।

(ii)→ वर्तमान में राष्ट्र को शारीरिक दृष्टि से मजबूत, निर्भय तथा ऐसे नवयुवकों की आवश्यकता है जो अपने आप में अपनी शक्ति में विश्वास करते हो।

(iii)→ भारत के राष्ट्रीय आदर्श त्याग और सेवा को अपनाकर गरीबों, भूखों और पीड़ितों की सेवा में अपने को अर्पित करना ही राष्ट्र की सबसे बड़ी सेवा है।

(iv)→ विवेकानन्द के उपदेश का ध्येय वाक्य है- 'उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये'।

(v)→ राष्ट्र भक्ति की भावना का आधार विवेक और प्रेम को माना गया है।

(vi)→ नास्तिक।

BSER 175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6

1 (4.) (i)→ 'एक नर का वास्तविक बल'

1 (ii)→ इस जग का कोई भी विघ्न आदमी के मग में नहीं टिक सकता है।

1 (iii)→ जब मानव जोर लगाता है तब पत्थर पानी बन जाता है।

1 (iv)→ जो बत्ती को नहीं जलाता है, उसे रोशनी नहीं मिलती है।

1 (v)→ जब नर खम ठोक ठेलता है अर्थात हिलाता है तब पर्वत के पाँव उखड़ जाते हैं।

1 (vi)→ मेंहदी के बीच में वर्तिका जैसी उजियाली (उजाला) छिपा है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड- (ब))

(5.)→ शहनाई और डुमरांव एक-दूसरे के लिए इस प्रकार उपयोगी है:- शहनाई जो की रीड की बनी होती है, और यह रीड एक प्रकार की घास से निर्मित होती है। जो कि डुमरांव मे स्थित एक नदी में मिलती है।

2

(6.)→ हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति को पहली बार देखा तो उनके मन में यह बात खटकती थी कि इन्होंने ~~ब~~ नेताजी के मूर्ति तो संगमरमर की बनाई जो की कि एक प्रकार का पत्थर है लेकिन चश्मा पत्थर का नही बना हुआ है।

2

(7.)→ छोटे बच्चे की मनोहारी मुसकान देखकर कवि के ~~मन~~ मन मे निम्न भाव उमड़ते है:-

2

• कवि को ऐसा लगता है जैसे कमल के फूल तालाब को छोड़कर उसकी झोपड़ी मे आ खिले है।

• ऐसी मुस्कान देखकर कठिन पाषाण

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

हृदय वाला व्यक्ति भी पिघल जायेगा।

• कवि उसकी यह दंतुरित मुसकान लगातार देखना चाहता है।

(8.)→ उत्साह कविता का मूल भाव :- इस कविता के माध्यम से कवि बादलों के द्वारा सभी व्याकुल, पीड़ित लोगों को शांति कर प्रदान करने तथा सभी में एक नयी उर्जा का सृजन संचार करना चाहता है। नवयुवकों में एक उज्ज्वल भविष्य के प्रति ज्योति जाग्रत करना चाहता है।

(9.)→ गंगटोक शहर को देखकर लेखिका के आंखों में वहां की प्राकृतिक सुन्दरता का अद्भुत चित्रण तो छप ही गया था साथ ही वहां पर मेहनत करते लोगों और पीठ पर टोकरी में बच्चे को लिए माँए भी बागानो में परिश्रम कर रही है। साथ ही ही बच्चे भी काम कर रहे थे। लेखिका के मन में आया :- इस प्राकृतिक जगह और सुन्दरता के बीच संघर्ष के साथ जीवन

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

व्यापन करते यहाँ के लोग।

(10.) साँप के निकलने पर पानी फेंकते बच्चों की निम्न प्रतिक्रिया हुई :-

पहले तो सभी बच्चे पानी फेंकना छोड़ वहाँ से जोर से चिल्लाते हुए भाग गए और भयभीत होने के कारण अपनी माँ की गोद में जाकर शरण ले ली क्योंकि वहाँ पर उन्हें भय मुक्त वातावरण लग रहा था।

(11) मुहावरे का अर्थ :- छोटी सी बात को और बड़ी बनाना।

वाक्य प्रयोग :- जब मास्टर जी शोहन को डाँट रहे थे तब राम और नमक-मिर्च लगा रहा था ताकि मास्टर जी शोहन को और ज्यादा डाँटे।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

4

(खण्ड -(स))

(12.)→(i)→ आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा रही होगी।

1

(ii)→ शरीर को सजाने की प्रवृत्ति सुई-धागे के आविष्कार का कारण बनी।

1

(iii)→ खुले आकाश के नीचे सोए व्यक्ति को नींद इसलिए आती क्योंकि जब वह खुले आकाश के नीचे सोया जगमगाते तारों को देखता है, तो वह यह जानने के लिए परेशान रहता है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है।

1

(iv)→ वास्तव में सस्कृत मानव निठल्ला नही बैठ सकता है।

1

4

(13.) (i)→ गोपियों ने ऊधौ (उद्धव) को बड़भागी कहा है।

1

(ii)→ गोपियों ने व्यंग्य के रूप में ऊधौ को बड़भागी कहा है क्योंकि वह (ऊधौ) श्री कृष्ण के इतने समीप होते हुए भी उनके प्रेम से अछूता है।

1

P.T.O

(iii) → 'पुरइनि पात' से अभिप्राय है:- कमल के पत्ते।

(iv) → तेल की गागरि को पानी में डुबोने पर वह एक बूंद भी अपने ऊपर नहीं लगने या टिकने देगी।

(14) ~~हालदार साहब की आँखें~~ 'लखनवी अंदाज' व्यंग्य में लेखक ने उस लेखकों के वर्ग पर कटाक्ष किया है जो लेखक वर्ग बिना उचित पात्रों के या बिना कहानि कहानी के हि ही कविता रच देते हैं, बिना उसका वास्तविक अनुभव लिए। लेखक कहता है कि बिना पात्रों और कहानी विचारों के कोई कैसे कुछ भी रचना करना सकता है भला। इस व्यंग्य के माध्यम से लेखक 'यशपाल' ने ऐसे ही वर्ग पर कटाक्ष किया है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3

(15.)→ सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' द्वारा रचित कविता 'अट नही रही है' मे फागुन की मादकता का वर्णन कुछ प्रकार है :-

फाल्गुन मास मे ही ऋतुराज बसंत का आगमन होता है जिससे चारो ओर के वातावरण मे सुगंध और मदकता फैल जाती है। पेड़ो से पत्तियाँ गिर कर नई पत्तियाँ आ जाती है। चारो ओर हरियाली छा जाती है। सभी के मन परिफुल्लित हो उठते है। सभी खुलकर साँस ले पाते है। चारो ओर के वातावरण मे एक नयी उर्जा उर्जा तथा जोश का माहौल बन जाता है। पशु-पक्षियो की मधुर आवाजे आती है। सब प्राणि चित शीतलता युक्त हो जाते है तथा इसकी मादकता का आनन्द लेते है।

5

(16.)→ नाम – तुलसीदास जी
जन्म – सन् 1532 मे
जन्म स्थान – बाँदा जिले के राजापुर गाँव मे।
माता – हुलसी देवी
पिता – आत्माराम दुबे
पत्नि – रत्नावली
गुरु – वल्लभाचार्य जी ✗
उपाधि – गोस्वामि गोस्वामी

P.T.O →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

धर्म → हिन्दू।
मृत्यु → 1623 में ~~(पारसौली)~~
रचनाएं → • रामचरितमानस
• गीतावली
• दोहावली
• कृष्णगीतावली
• विनय पत्रिका

• गोस्वामी तुलसी दास जी का जन्म सन् 1532 में बाँदा जिले के राजापुर गाँव में हुआ। इन्हें गोस्वामी की उपाधि प्राप्त थी। इनकी प्रमुख रचनाएं हैं :- रामचरितमानस, गीतावली, दोहावली, कृष्णगीतावली, विनयपत्रिका आदि इनका सन् 1623 में निधन हो गया।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड-(द))

(17) अज्ञेय ने हिरोशिमा में तत्काल कुछ न लिखकर, भारत लौटने पर कविता इसलिए लिखी क्योंकि जब वह हिरोशिमा मे थे तब उनके मन के अन्दर वह सहानुभूति नही हुई जो भारत लौटते समय रेलगाड़ी में हुई। लेखक का कहना है कि प्रत्यक्ष अनुभव के भांति संवेदना से अधिक सहानुभूति होती है, जिससे उस समय मे हुई लोगों की पीड़ा को और अच्छे से महसूस कर पाय पाते है, और कविता को अच्छे सृजनात्मक रूप से लिख पाते है।

P.T.O →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5

(7.) सेवा में,
श्रीमान् प्रधानाध्यापक महोदय
रा. उ. मा. वि. नाहरपुरा

दिनांक :- 12/3/24

विषय :- विद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाने हेतु।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय के कक्षा 10th का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह मनाया जाना चाहिए ताकि छात्रों का मनोबल ~~बढ़~~ बढ़े।
अतः विद्यालय में पुस्तकालय सप्ताह मनाए जाये इसकी कृपा करे।
सधन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य
राहुल
कक्षा 10th

5

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	(20)	

शुद्धता का वादा — **आइए-आइए**

आपके अपने महिला उद्यमिता केन्द्र द्वारा बनाये गये शुद्ध आचार व पापड़ ले जाइए एकदम सही (उचित) मूल्य पर।

आचार — आचार

पापड़ — पापड़

[शुद्धता से निर्मित] [हाथों द्वारा निर्मित]

विक्री स्थान:- महिला उद्यमिता केन्द्र

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

6

(18.) → शिक्षा के क्षेत्र में मोबाइल की उपयोगिता

(i) प्रस्तावना ÷ आज के इस नवआधुनिक युग में सब जगह मोबाइल का उपयोग देखा जा रहा है साथ ही इसके कारण होने वाले दुष्परिणाम भी। शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल का उपयोग देखा जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में मोबाइल ने भी अपनी जगह बना ली है।

(ii) मोबाइल का शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग ÷ आज सब जगह मोबाइल का उपयोग हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी मोबाइल अपनी एक अहम भूमिका निभाता है, किसी को भी इधर-उधर जाने की जरूरत नहीं है शिक्षा के लिए सब कुछ मोबाइल में ही हो जाता है। मोबाइल पर इंटरनेट के माध्यम से बच्चे घर पर ही रहकर पढ़ाई कर सकते है। शिक्षक भी बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाते है। यह एक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बहुत ही उपयोगी संसाधन बना चुका है शिक्षा के क्षेत्र में। आज के समय मे शिक्षा के क्षेत्र में 70 फीसदी लोग इसका इस्तेमाल करते है वह भी बिल्कुल आसानी व सुलभता से बिना किसी परेशानी के। बच्चे जब चाहे मोबाइल से पढ़ सकते है कुछ भी बिना किसी निर्धारित समय के।

(iii) मोबाइल प्रयोग के दुष्परिणाम :- मोबाइल उपयोगी तो है ही लेकिन यह साथ ही हमारी मानसिक तथा शारिरीक स्वास्थ्य दोनों के लिए ही घातक है। मोबाइल की स्क्रीन से हमारी आँखो पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है और इससे निकलने वाली रेडिएशन हमारे दिमाग के लिए अत्यंत खतरनाक साबित होती है। इससे हमारा स्वभाव चिड़चिड़ा होने लगता है। कुछ लोगों इसे शिक्षा के लिए तो कम और अनुपयोगी चीजों के लिए काम मे लेते है। यह इसका ज्यादा देर तक उपयोग हमारे शरीर मे आलस्य भर देता है। और दिमाग पर गहरा प्रभाव डालता है।

P.T.O

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(iv) छात्रों पर मोबाइल का प्रभाव :- छात्रो पर मोबाइल का कहीं न कहीं दुष्परिणाम भी देखने को मिलता है। बच्चे घर ही मोबाइल में गेम ज्यादा खेलते है और पढ़ाई में ध्यान कम लगाते है। उनका स्वभाव भी चिड़चिड़ा होता जा रहा है। आँखे अन्दर घुस गयी है। चश्मे लग गये है। दिनभर मोबाइल चलाने की आदत पड़ गयी है।

(v) उपसंहार :- हम यह कह सकते है की मोबाइल शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी है लेकिन आजकल बहुत बच्चे मोबाइल का इस्तेमाल पढ़ने में नहीं बल्कि दूसरी अनुपयोगी चीजों में करते है जो कि सही बात नही है।

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB

[illegible] द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	[illegible]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-175/2023